कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- परिचय
- मुग़ल साम्राज्य और परवर्ती मुगलो के लिए संकट की स्थिति
- नए राज्यों का उदय
- पुराने मुगल प्रांत

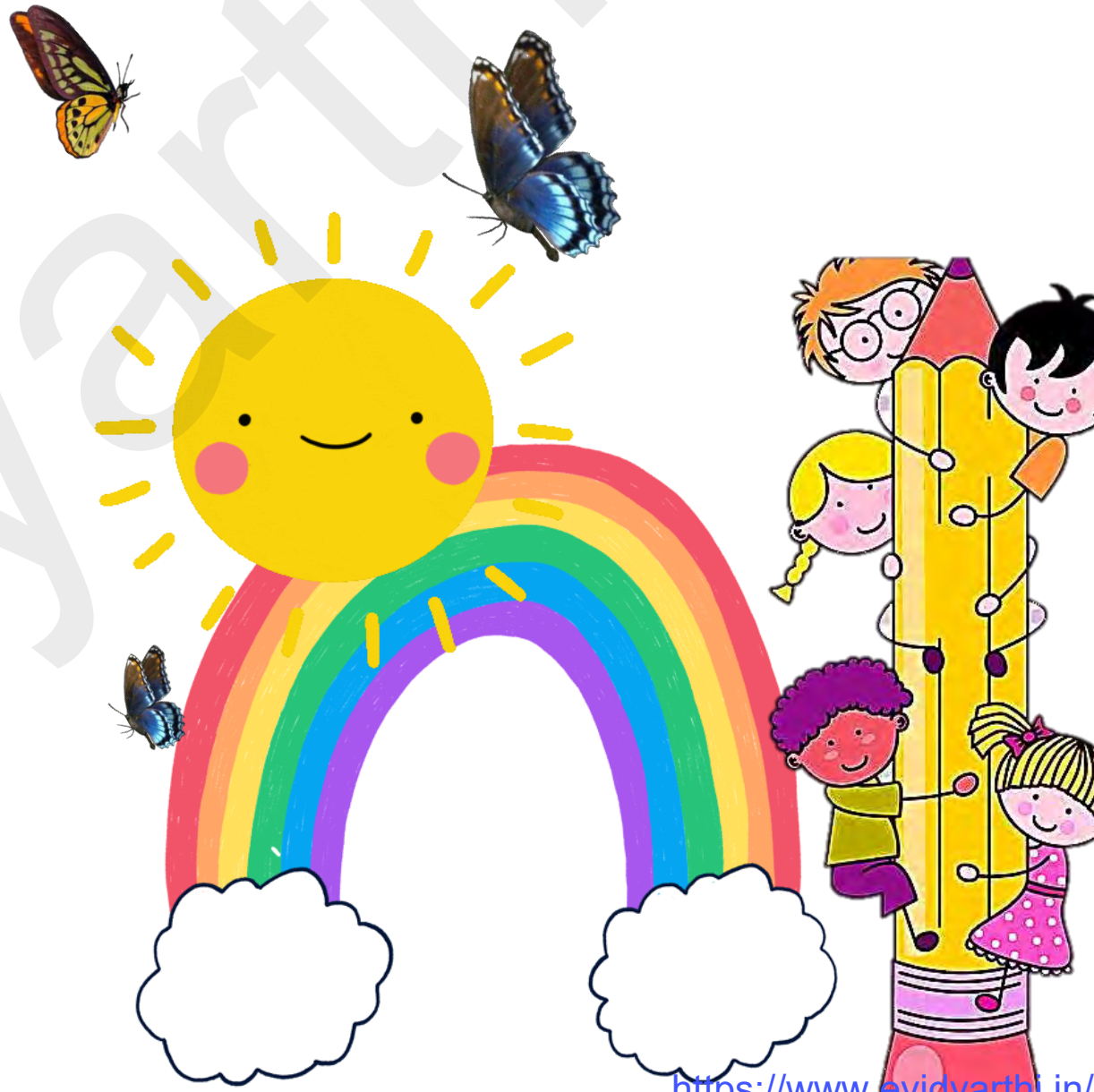

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- हैदराबाद
- अवध
- बंगाल
- राजपूतों के वतन जागीरी
- आज़ादी हासिल करना

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सिक्ख
- मराठा
- जाट

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

परिचय

- 18वीं शताब्दी के आधे भाग में महत्वपूर्ण परिवर्तन आए। (मुगल सीमाओं में)
- 1765 में जितनी नई शक्तियां आईं, जैसे अंग्रेजों ने पूर्वी भारत के हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- हम 1707 के दौरान नए राजनीतिक समूहों के उद्भव के बारे में पढ़ेंगे जब औरंगजेब की मृत्यु 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई तक हुई।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in
https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

सिख (खालसा)

www.evidyarthi.in

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मुग़ल साम्राज्य और परवर्ती मुगलो के लिए संकट की स्थिति

- **भारत का दक्कन भाग - कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश (मानचित्र में)**

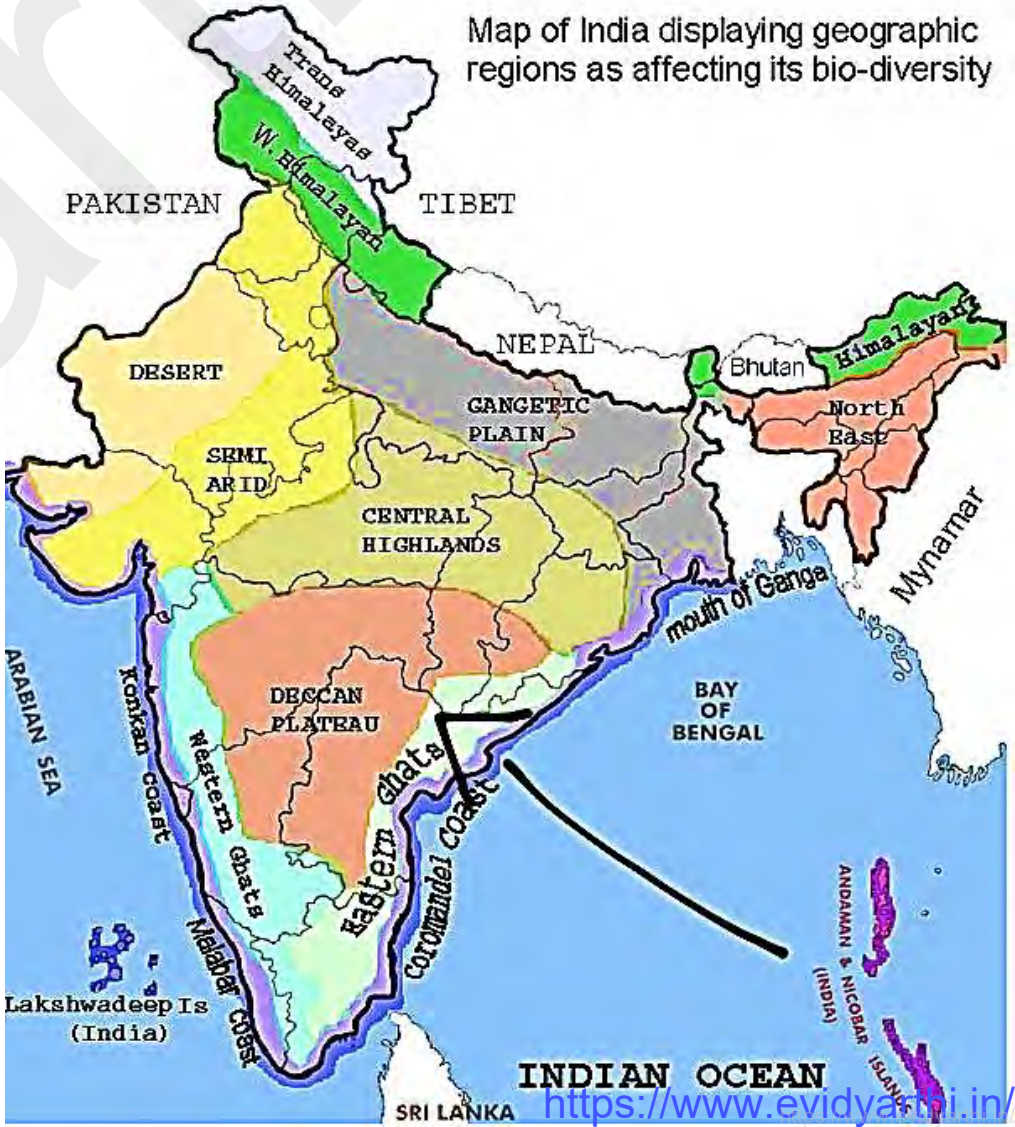

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- अध्याय - 4 में मुगल अपनी सफलता के शिखर पर पहुंचे और 17वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में संकटों का सामना करना शुरू कर दिया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- ये कई कारणों के वजह से हुए थे, सम्राट औरंगजेब ने दक्कन में लंबे युद्ध लड़कर अपने साम्राज्य के सैन्य और वित्तीय संसाधनों को समाप्त कर दिया था।
- बाद में प्रशासन टूट गया। बाद के मुगल बादशाह के लिए अपने शक्तिशाली मनसबदारों पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो गया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- राज्यपालों (सूबेदारों) के रूप में नियुक्त कुलीनों ने राजस्व और प्रशासन के कार्यालयों को नियंत्रित किया (दीवानी और फौजदारी भी)

- इसने उन्हें मुगलों के विशाल साम्राज्य पर सैन्य, राजनीतिक, आर्थिक शक्ति प्रदान की।

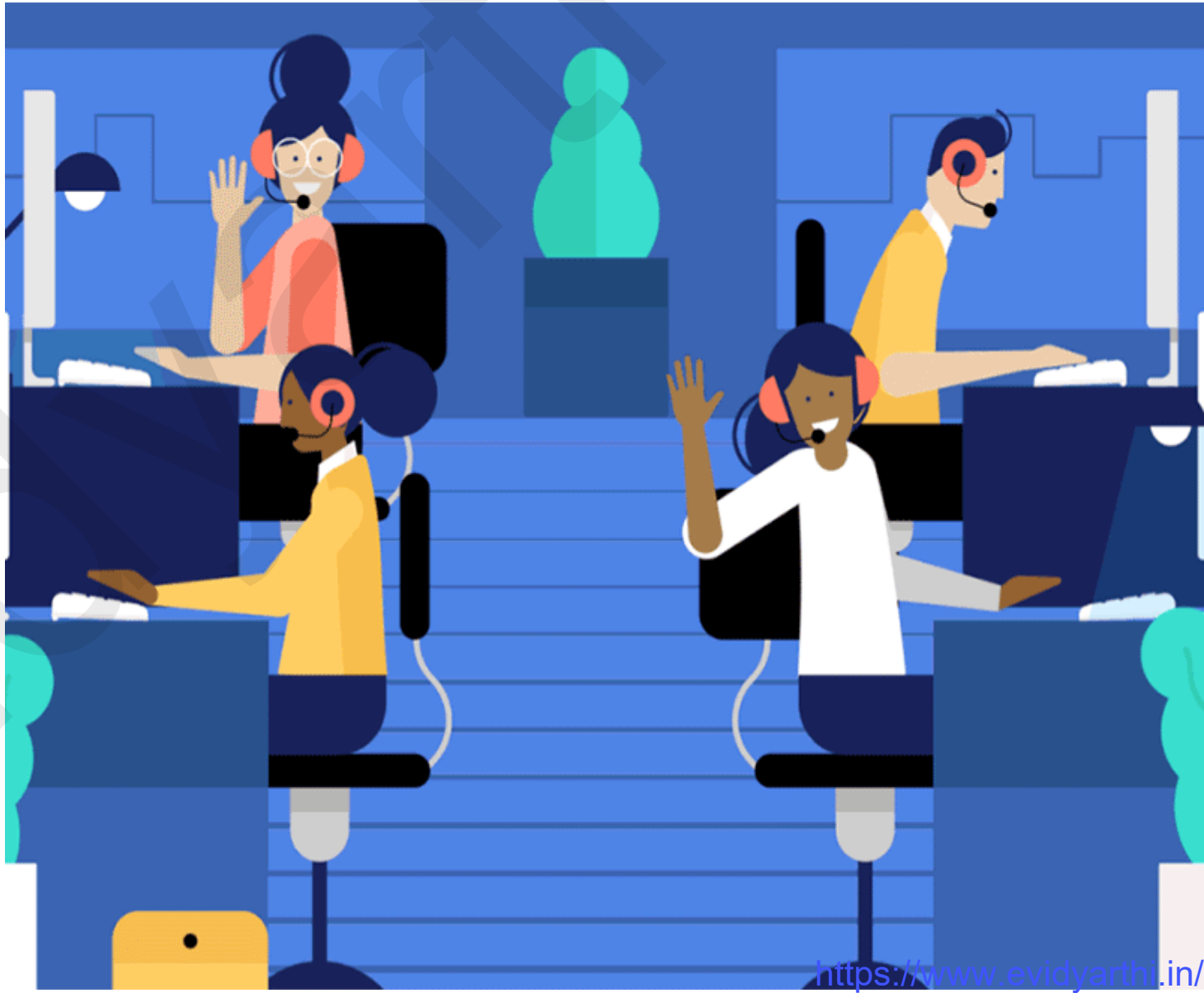

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

मनसबदार

(रईसों) सैन्य जिम्मेदारियों और जागीरों के साथ।

फौजदारी

सैन्य कमांडर का कार्यालय, राजस्व समारोह और अदालत।

दिवान

अदालत में उच्च पद के अधिकारी (वित्त)

सूबेदार

राज्यपाल, राजनीतिक सैन्य कार्य

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उत्तरी और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों में किसानों और ज़मींदारों के विद्रोह ने मुगलों की समस्याओं को और बढ़ा दिया क्योंकि विद्रोह कभी-कभी बढ़ते करों के कारण होते थे और मुगलों को विद्रोही समूहों द्वारा भी चुनौती दी गई थी।
- लेकिन ये समूह औरंगजेब के बाद किसी भी आर्थिक संसाधन और सम्राट को हथियाने में सक्षम नहीं थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

किसान

जमींदार

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- राज्यपालों, स्थानीय सरदारों और अन्य समूहों के हाथों से राजनीतिक और आर्थिक सत्ता के क्रमिक स्थानांतरण को रोकने में असमर्थ थे।

- इस राजनीतिक संकट के बीच ईरान के शासक नादिर शाह ने दिल्ली शहर को बर्खास्त कर लूट लिया और अपार धन-संपत्ति ले ली।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इन आक्रमणों के बाद अफगान शासकों अहमद शाह अब्दाली ने उत्तर भारत पर 1748 और 1761 के बीच 5 बार आक्रमण किया।

- पहले से ही हर तरफ से गंभीर दबाव में है। रईसों के विभिन्न समूहों के विभाजन से साम्राज्य को सप्ताहांत मिला।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- वे दो समूहों में विभाजित हो गए थे ईरानी और तुरानी (तुर्की वंश के रईस) बाद में मुगल सम्राट इन शक्तिशाली समूहों में से एक के हाथों की कठपुतली थे।
- सबसे बुरा अपमान तब हुआ जब दो मुगल सम्राट फारुख सियार (1713-1719) की हत्या कर दी गई और शाह आलम iii (1759 - 1816) को उनके रईसों ने अंधा कर दिया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

फारुख सियारी

शाह आलम तृतीया

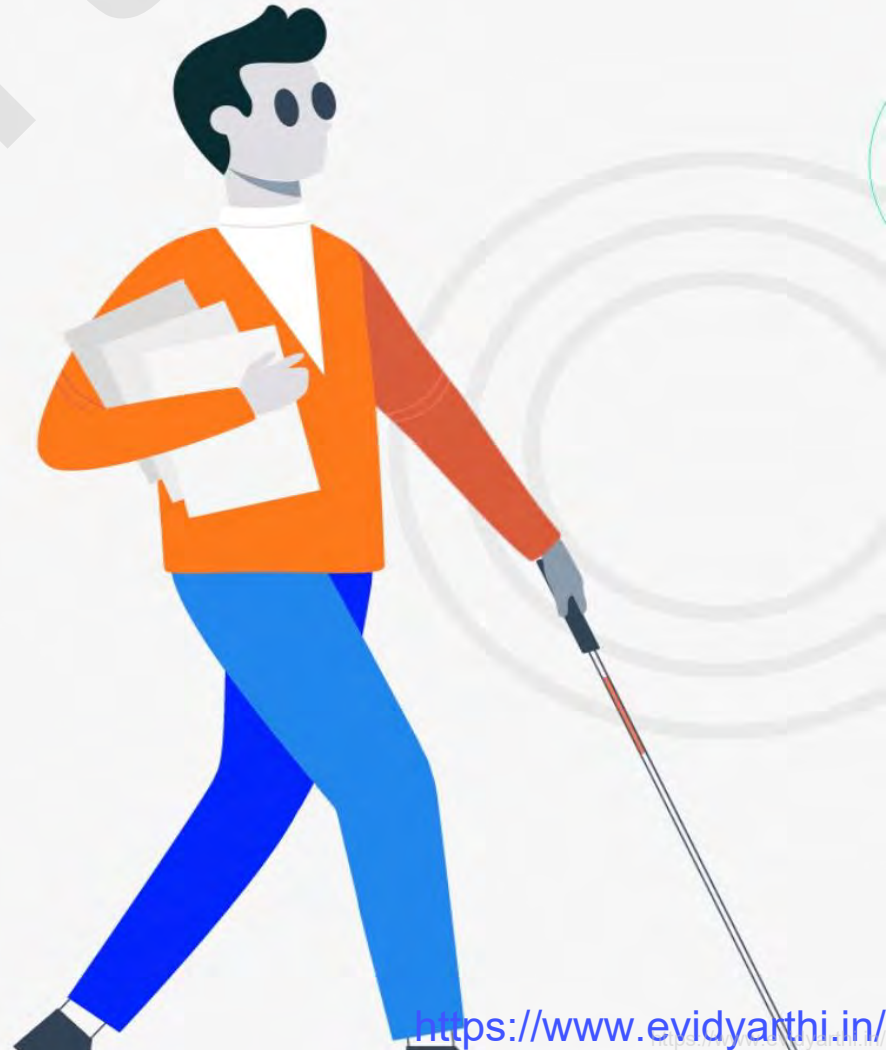

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

नए राज्यों का उदय

- मुगल सत्ता और सम्राटों के पतन के साथ, राज्यपालों, जमींदारों ने विभिन्न भागों में अपने अधिकार को मजबूत किया।

- 18वीं शताब्दी में। मुगल साम्राज्य धीरे-धीरे कई स्वतंत्र राज्यों में विभाजित हो गया। 18वीं शताब्दी के राज्यों को समूहों में विभाजित किया जा सकता है

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 1) राज्य जो अवध, बंगाल और हैदराबाद जैसे पुराने मुगल प्रांत थे (अत्यंत शक्तिशाली और काफी स्वतंत्र)
  - इन राज्यों के शासकों ने मुगल बादशाह के साथ अपने औपचारिक संबंध नहीं तोड़े।
  - 2) जिन राज्यों ने वतन जागीरों के रूप में मुगलों के अधीन स्वतंत्रता का आनंद लिया, उनमें राजपूत प्रांत शामिल हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- 3) अंतिम समूहों में मराठों, सिखों और जाटों के नियंत्रण वाला राज्य शामिल है।

- ये विभिन्न आकार के थे और लंबे सशस्त्र संघर्ष के बाद मुगलों से स्वतंत्र हो गए थे।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

मराठा

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

सिक्ख

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

जाट

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

पुराने मुगल प्रांत

- उन राज्यों में जो 18वीं शताब्दी में पुराने मुगल प्रांतों से बाहर किए गए थे, उनमें से तीन प्रमुख रूप से अवध, बंगाल और हैदराबाद हैं।
- वे मुगल कुलीन वर्ग के सदस्य थे जिनके पास बड़े प्रांत सआदत ख़ान (अवध) के राज्यपाल थे।
- आसफ़ जाह (हैदराबाद)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

बुरहान-उल-मुल्क सआदत ख़ान

निज़ाम-उल-मुल्क आसफ़ जाह

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उनके पास पहले से ही उच्च मनसबदारी पद थे और उन्हें सम्राट का विश्वास प्राप्त था।

- आसफ जाह और मुर्शिद कुली ख़ान (बंगाल) दोनों की जाट रैंक 7,000 और 6,000 थी।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

हैदराबाद

- निजाम-उल-मुल्क आसफ़ जाह (हैदराबाद राज्य 1724-1748 के संस्थापक) मुगल सम्राट फारुख सियार के दरबार में सबसे शक्तिशाली सदस्य थे।

- आसफ़ जाह को पहले अवध के शासन में दिलचस्पी थी लेकिन बाद में उन्हें दक्कन का प्रभार दिया गया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- 1720-22 के दौरान जब वे दक्कन के मुगल गवर्नर बने तो आसफ़ जाह ने पहले ही राजनीतिक और वित्तीय प्रशासन पर नियंत्रण हासिल कर लिया, बाद में उन्होंने अपने हाथों में सत्ता हासिल कर ली और इस क्षेत्र के वास्तविक शासक बन गए।
- आसफ़ जाह ने कुशल मजदूरों को खरीदा, उत्तर भारत के प्रशासकों ने उन्हें दी जागीरों के साथ मनसबदार नियुक्त किए।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- यहाँ तक कि वह मुगलों का सेवक था, उसने बिना किसी समस्या के स्वतंत्र रूप से शासन किया। मुगल सम्राट ने केवल आसफ़ जाह द्वारा किए गए निर्णयों की पुष्टि की।
- हैदराबाद राज्य पश्चिम में मराठों और तेलुगु योद्धा प्रमुखों (नायक) के खिलाफ संघर्ष कर रहा था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

तेलुगु योद्धा

मराठा

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

अवध

- बुरहान-उल-मुल्क सआदत ख़ान को 1722 में अवध का सूबेदार नियुक्त किया गया था।

- अवध समृद्ध जलोढ़ गंगा योजना और उत्तर भारत और बंगाल के बीच मुख्य व्यापार मार्गों को नियंत्रित करने वाला एक समृद्ध क्षेत्र था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- बुरहान-उल-मुल्क ने अवध के वित्तीय, राजनीतिक, सैन्य मामलों के प्रबंधन के लिए केवल सूबेदारी, दीवानी और फौजदारी के कार्यालयों का आयोजन किया।
- बुरहान ने मुगलों द्वारा नियुक्त कार्यालय धारकों (जागीरदारों) को कम करके अवध में मुगल प्रभाव को कम करने की कोशिश की।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

मनसबदार

(रईसों) सैन्य जिम्मेदारियों और जागीरों के साथ।

फौजदारी

सैन्य कमांडर का कार्यालय, राजस्व समारोह और अदालत।

दिवान

अदालत में उच्च पद के अधिकारी (वित्त)

सूबेदार

राज्यपाल, राजनीतिक सैन्य कार्य

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- नवाब दरबार द्वारा नियुक्त अधिकारी द्वारा सभी जिलों के राजस्व की धोखाधड़ी को रोकने के लिए जागीरदारों के खातों की जाँच की गई अपने वफादार सेवको द्वारा।

- उन्होंने राजपूत जमीन जब्त किया और रोहिलखंड के अफगानों की कृषि उपजाऊ भूमि जब्त किया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- राज्य स्थानीय बैंको पर निर्भर था और सोदागर के ऋण के लिए राजस्व किसान (इजरदार) राज्य को निश्चित धन की राशि का भुगतान करने के लिए सहमत हुए।
- राजस्व किसान करों के संग्रह में शामिल थे, ये विकास नए सामाजिक आदेशों यानी साहूकारों के बैंकरों को राज्य की राजस्व प्रणाली को प्रभावित करने की अनुमति देते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

बंगाल

- मुर्शिद के मुगल नियंत्रण में बंगाल टूट गया कुली खान को नायब (प्रांत के राज्यपाल के उप) के रूप में नियुक्त किया गया

- हैदराबाद और अवध के शासकों की तरह कभी भी निम्न पद पर नहीं रहे (वे राजस्व प्रशासन की कमान संभालते थे)

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- वह मुगल प्रभाव को कम करना चाहता था और सभी मुगल जागीरदारों को उड़ीसा में स्थानांतरित कर दिया और बंगाल की राजस्व व्यवस्था को बदल दिया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- सभी जमींदारों से राजस्व नकद में वसूल किया जाता था, जमींदारों को बैंको और उधारदाताओं से पैसा उधार लेना पड़ता था। जो भुगतान करने में असमर्थ थे, उन्हें अपनी जमीन बड़े जमींदारों को बेचनी पड़ी।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- राज्य और बैंको के बीच घनिष्ठ संबंध थे, यह हैदराबाद और अवध में ध्यान देने योग्य था, बंगाल में अलीवर्दी खान (1740,1756) के शासन के दौरान उनके शासनकाल में बैंकिंग घर समृद्ध थे।

- इन राज्यों में सामान्य विशेषताएं-

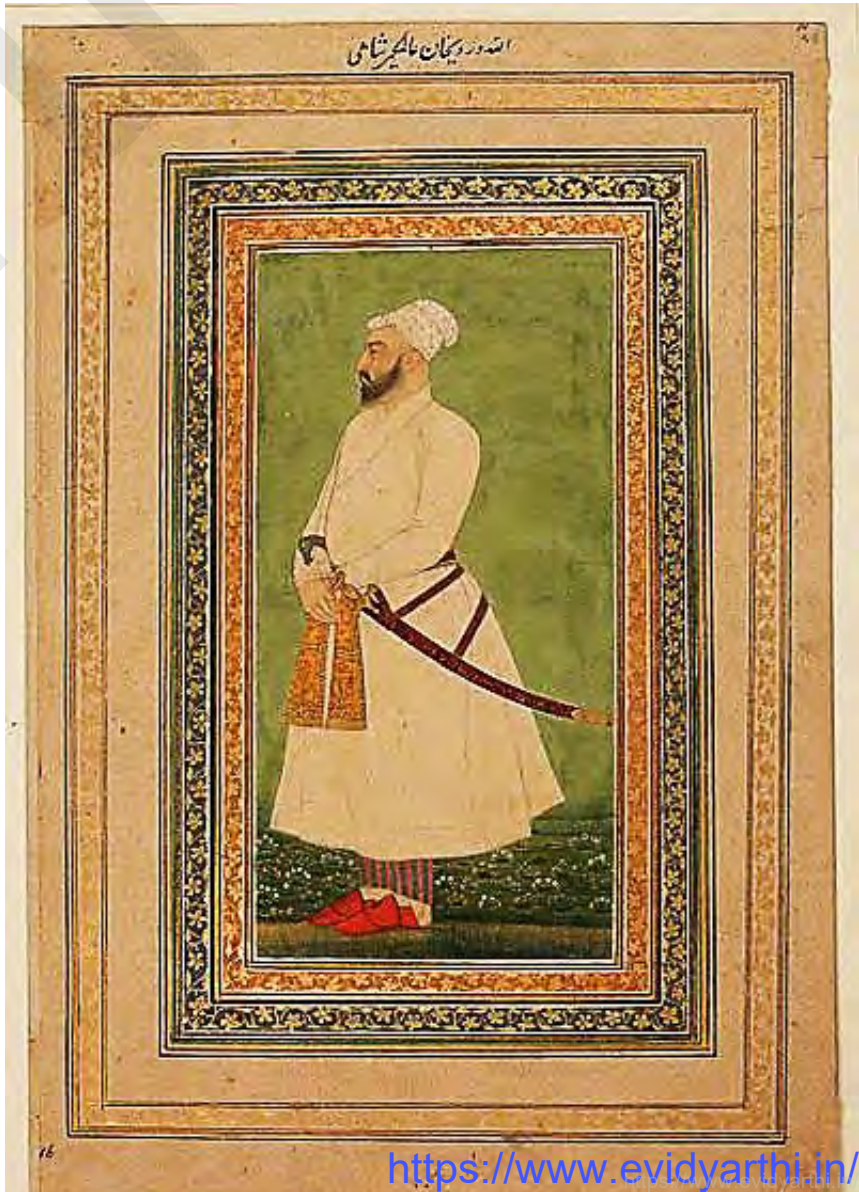

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

1. प्रशासन प्रणाली अत्यधिक संदिग्ध थी (जागीरदारी प्रणाली विशेष रूप से)
2. कर संग्रह का तरीका अलग था।

➢ राजस्व का संग्रह राजस्व किसानों द्वारा किया जाता था। इजारादारी की प्रथा 18वीं शताब्दी में फैले मुगलों ने अस्वीकार कर दिया था।

इजरादारी प्रणाली

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

3. अमीर बैंकरों और व्यापारियों के साथ संबंध।

- व्यापारियों और बैंकरों ने किसानों को पैसा उधार दिया।
- समाज के रूप में भूमि प्राप्त करें इन जमीनों से अपने स्वयं के एजेंटों (किसानों) के माध्यम से कर एकत्र किया
- धीरे-धीरे अमीर व्यापारी और बैंकर क्रम में पोर्टफोलियो हासिल कर रहे हैं।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

राजपूतों के वतन जागीरी

- अम्बेर और जोधपुर के राजपूत शासकों ने मुगलों की सेवा की। बदले में उनकी वतन जागीरों में स्वशासन।
- जोधपुर के शासक अजीत सिंह को मुगल दरबार में शामिल किया गया था।
- कई राजपूत परिवारों ने गुजरात और मालवा के समृद्ध प्रांत की सूबेदारी (राजनीतिक और सैन्य कार्य) का दावा किया।

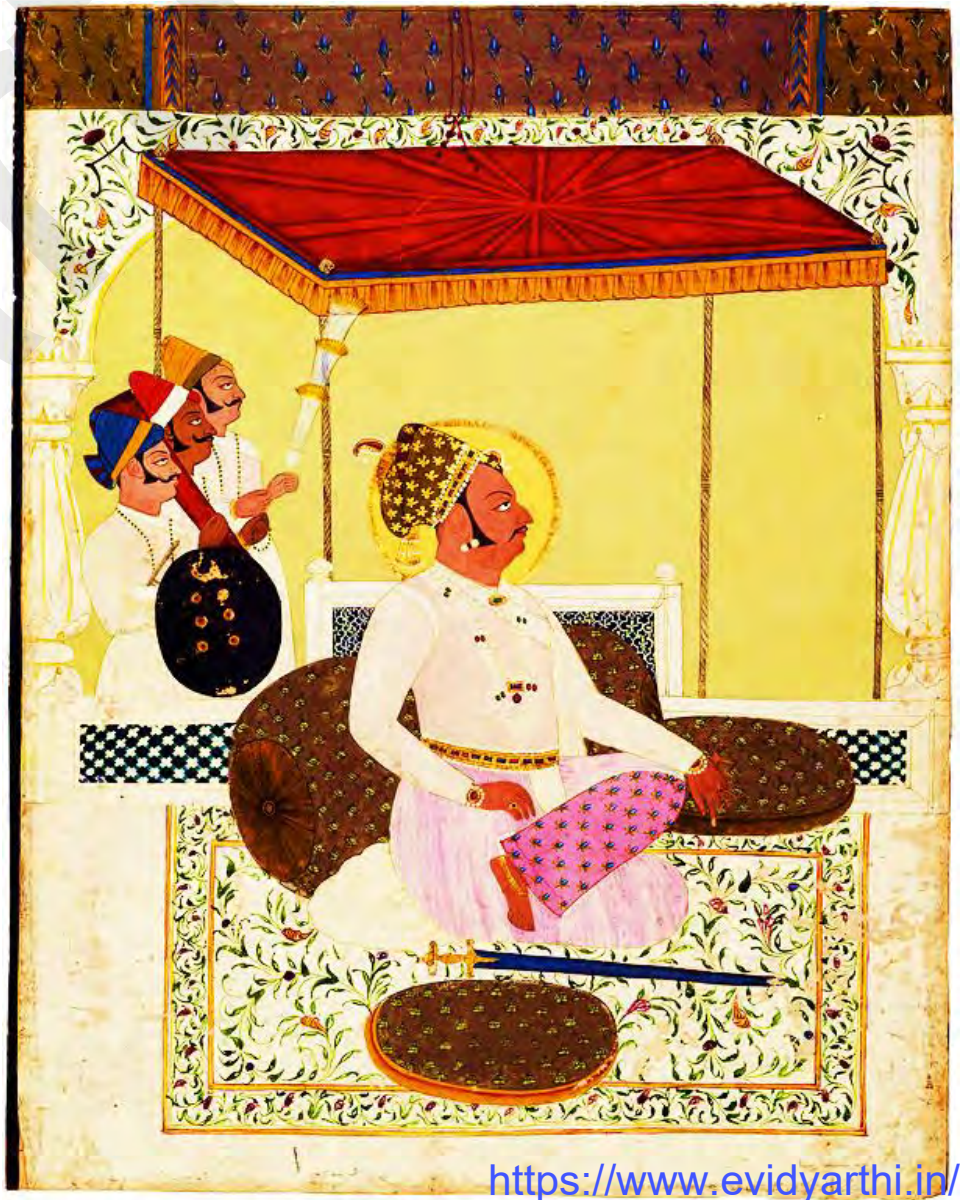

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

राजपूतों के साथ मुगलों के संबंध

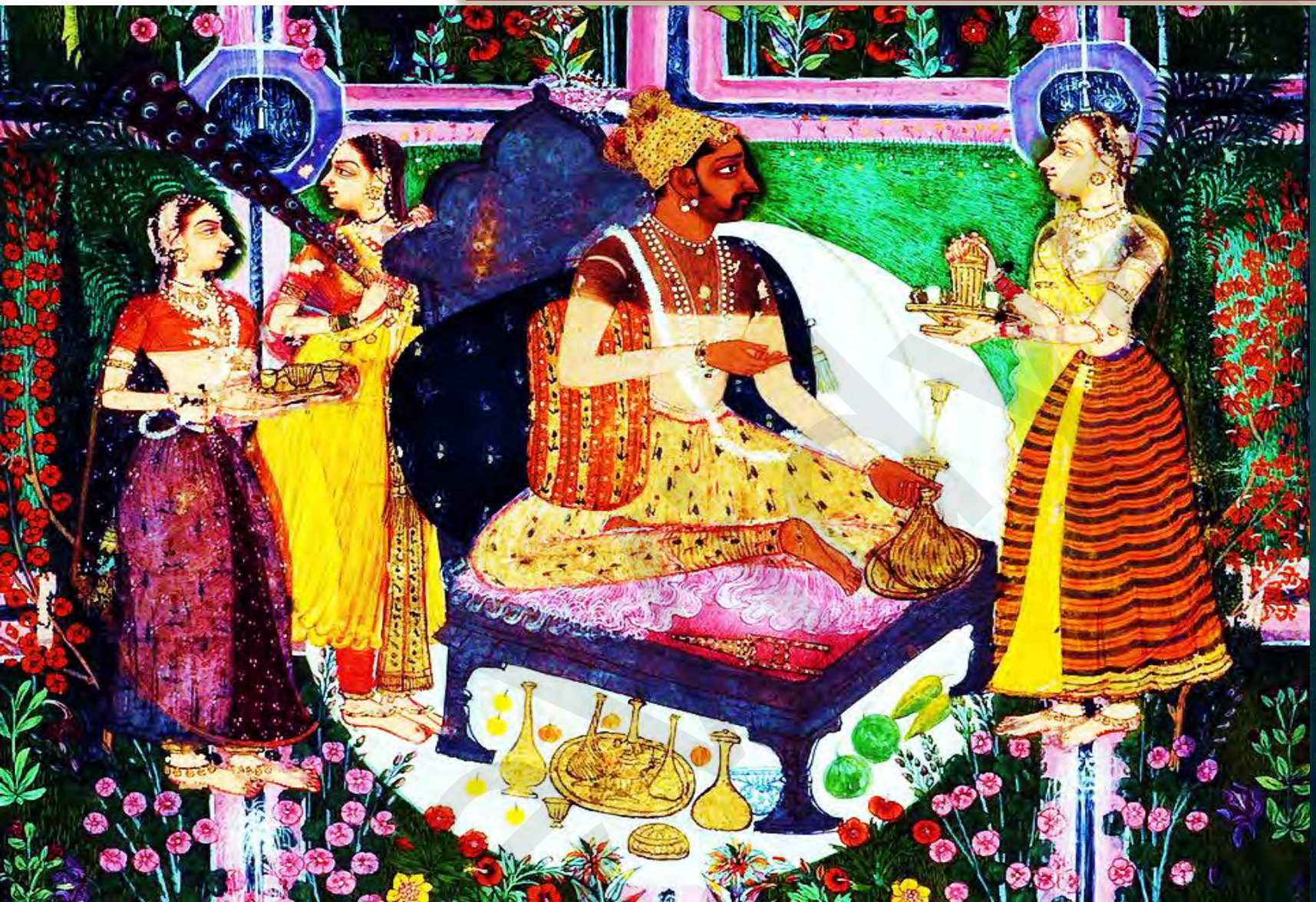

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

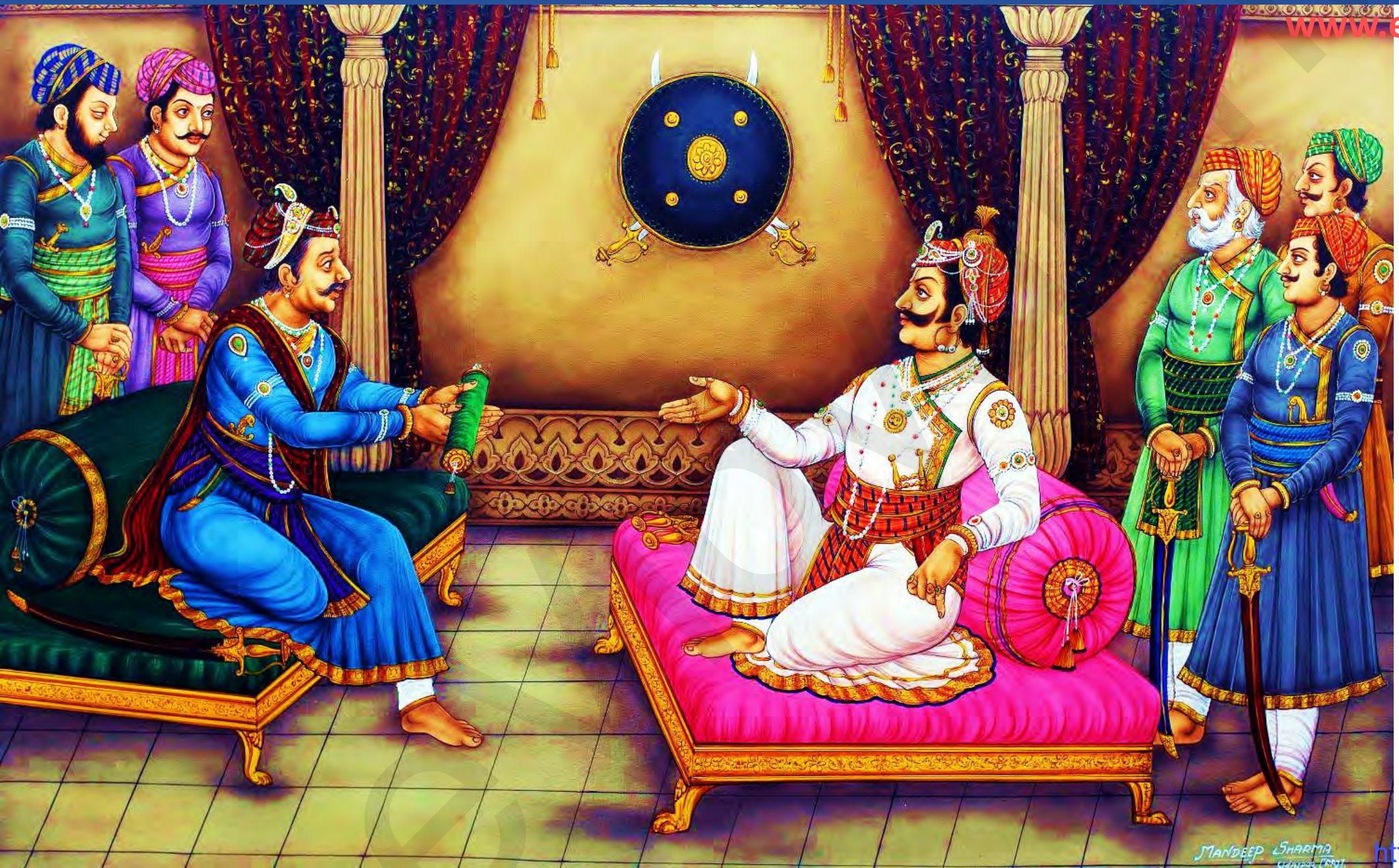

मुगल दरबार में राजपूतों ने दावा किया सम्मानजनक नौकरी

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- जोधपुर के राजा अजीत सिंह ने गुजरात के गवर्नर का पद संभाला, अम्बेर के सवाई राजा जय सिंह मालवा के गवर्नर थे।
- इस कार्यालय का सम्राट 1713 में सम्राट जहांदार शाह द्वारा नवीनीकृत किया गया था। नागपुर को जीत लिया गया था और जोधपुर द्वारा, जबकि अम्बेर ने बूंदी पर कब्जा कर लिया था।

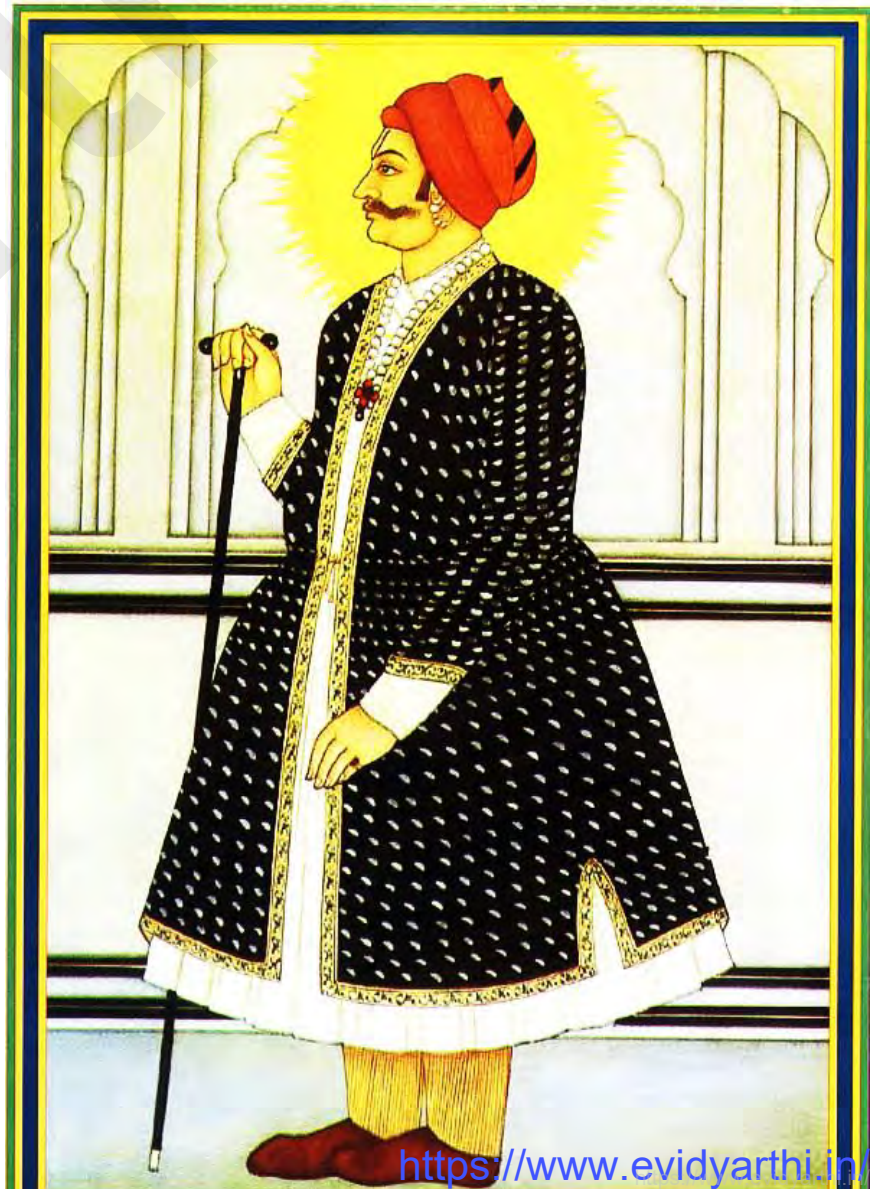

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

आज़ादी हासिल करना

सिक्ख

- 7वीं शताब्दी के दौरान सिखों के कई संगठनों ने पंजाब राज्य के निर्माण में मदद की, गुरु गोबिंद सिंह ने मुगलों और मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ी,1699 में खालसा की स्थापना से पहले और बाद में दोनों।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- उनकी मृत्यु के बाद, खालसा ने बंदा बहादुरों के नेतृत्व में मुगलों के खिलाफ विद्रोह किया, गुरु नानक और गोबिंद सिंह के नाम पर सिक्का ढाला।
- सतलुज और जम्मू में स्थापित शासन बाद में 1715 में बहादुर को पकड़ लिया गया, 1716 में निष्पादित किया गया

सिक्का ढलाई

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

गुरु नानाकी

गोबिंद सिंह

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

सतलुज नदी

जम्मू और कश्मीर

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 18 सदी में सिखों का आयोजन जत्था नामक बैंड, बाद में मिस्ल्स का संगठन बना। उनकी संयुक्त सेना को भव्य सेना (दाल खालसा) के रूप में जाना जाता था।
- अमृतसर में बैसाखी और दिवाली पर सामूहिक निर्णय लेने के लिए पूरा शरीर मिलता था (गुरु का संकल्प (गुरुमत्ता)

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

बैसाखी और दिवाली

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

जत्था

एक जत्था सिखों का एक सशस्त्र निकाय है

मिस्ल्स

मिस्ल सिख संघ के बारह संप्रभु राज्य थे

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- राखी की व्यवस्था 18 वीं शताब्दी में किसानों को 20% कर के भुगतान पर सुरक्षा प्रदान करते हुए पेश की गई थी।
- गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा को प्रेरित किया (राज करेगा खालसा) पहले मुग़ल राजयपालो को फिर अब्दाली शाह को जिसने सिरहिन्द और पंजाब को जब्त किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

सरहिंद और पंजाब

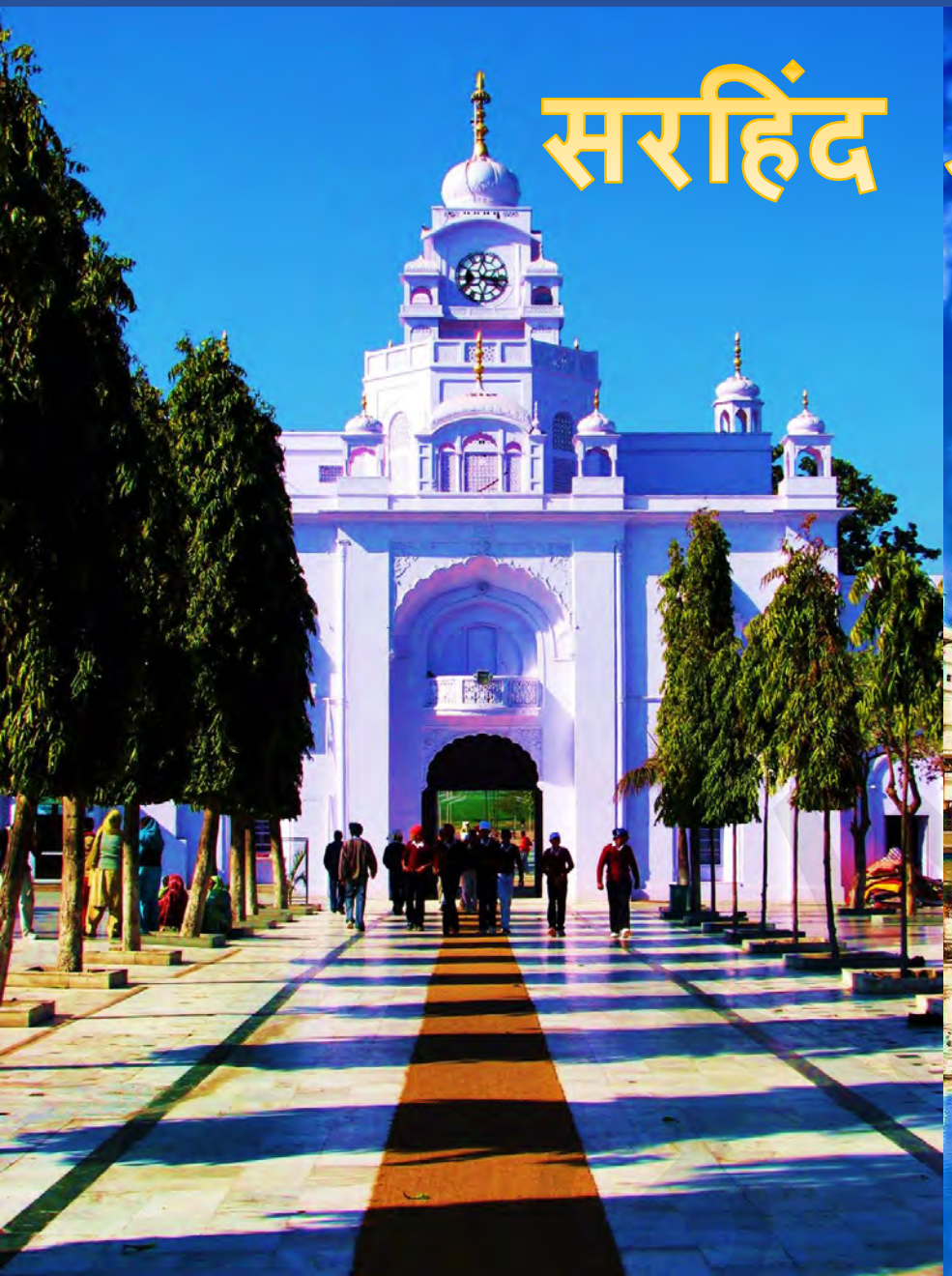

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 1765 में खालसा ने अपने स्वयं के सिक्कें निकाले, सिक्ख क्षेत्र 18 सदी में सिंधु से जम्मू (विभिन्न शासकों के अधीन शासित) तक विस्तारित हुआ।
- महाराजा रणजीत ने इन समूहों को फिर से मिला दिया और 1799 में लाहौर को राजधानी बनाया।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

मराठा

- मराठा एक और शक्तिशाली साम्राज्य (1627-1680) मुगल का विरोध किया। शिवाजी (1627-1680) देशमुख (योद्धा परिवार) के समर्थन से एक स्थिर राज्य बनाया
- उच्च पद समूह, किसान, पशुचारक (कुनबी) ने मराठा सेना को रीढ़ प्रदान की, शिवाजी ने प्रायद्वीप में मुगलों को चुनौती दी।

छत्रपति शिवाजी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- शिवाजी की मृत्यु के बाद, मराठा राज्य में प्रभावी शक्ति चिटपवन ब्राह्मणों के एक परिवार द्वारा संचालित की गई, जिन्होंने पेशवा (या प्रधान मंत्री) के रूप में शिवाजी के उत्तराधिकारियों की सेवा की।
- बाद में पूना मराठा साम्राज्य की राजधानी बन गई, मराठों ने पेशवाओं के तहत एक सफल सैन्य संगठन विकसित किया, शहरों पर छापा मारा, मुगल सेना से मुठभेड़ किया, मुगल सुरक्षित क्षेत्रों को दरकिनार कर दिया।

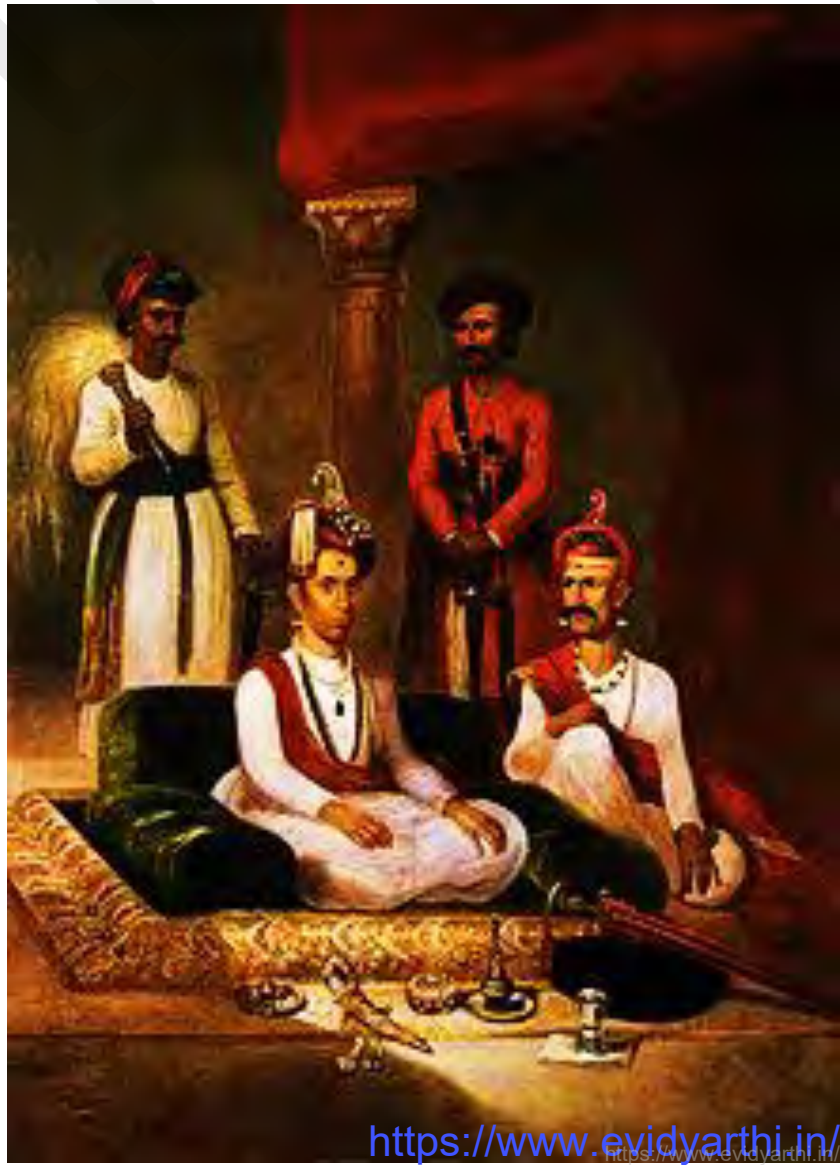

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

संभाजी

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 1720 और 1761 में मराठा साम्राज्य का विस्तार हुआ, मालवा और गुजरात को 1720 के दशक में मुगलों से जब्त कर लिया गया।
- 1730 के दशक में मराठा राजा पूरे दक्कन प्रायद्वीप का अधिपति बन गया अब वह पूरे क्षेत्र में चौथ और सरदेशमुखी लगा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

सरदेशमुखी

9-10% जमीन होने पर कर देना पड़ेगा कर कलेक्टर को दक्कन में

चौथ

ज़मींदारो को भी २५% भूमि कर देना पड़ता था मराठाओ को दक्कन में

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- 1737 में दिल्ली पर हमला करने के बाद, मराठा अपना वर्चस्व उत्तर में राजस्थान और पंजाब में पूर्व में बंगाल और उड़ीसा और कर्नाटक में तमिल और तेलुगु देश दक्षिण में तेजी से फैला रहे थे।
- इन क्षेत्रों को मराठा साम्राज्य में शामिल नहीं किया गया था लेकिन इसने भेट की रकम ली जाती थी।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उन्हें भारी संसाधन मिले लेकिन सैन्य अभियान के कारण, 1761 में पानीपत की तीसरी लड़ाई में मराठाओं का समर्थन करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के शासक शत्रुतापूर्ण हो गए।
- मराठा ने प्रभावी प्रशासन प्रणाली विकसित की, राजस्व की मांग शुरू की, कृषि को प्रोत्साहित किया गया व्यापार पुनर्जीवित किया।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

कृषि में वृद्धि

राजस्व प्रणाली की शुरुआत

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- इस प्रकार मराठा प्रमुखों, (सरदार) जैसे ग्वालियर के सिंधिया, बड़ौदा के गायकवाड़ और नागपुर के भोंसले ने शक्तिशाली सेनाएं खड़ी कीं।

- 1720 के दशक में मालवा में मराठा अभियान की वजह से शहरों के विकास और समृद्धि पर ध्यान नहीं दिया गया ।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

बड़ौदा के गायकवाड़

महाराजा सयाजीरो गायकवाड़ तृतीया

नागपुर के भोसले

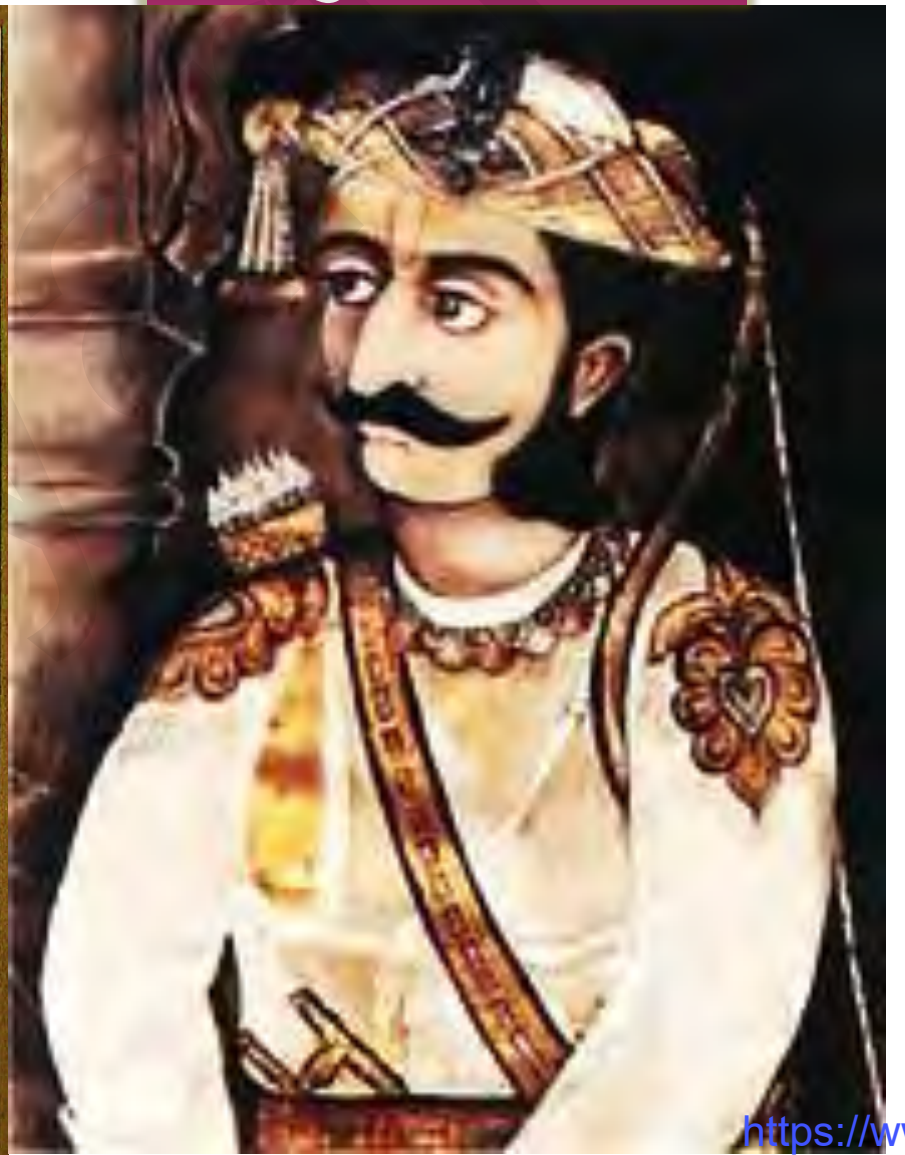

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

- सिंधिया के तहत उज्जैन की वृद्धि हुई, होल्करों के तहत इंदौर की (ये शहर वाणिज्यिक और समृद्ध केंद्र थे)

- अब मराठों द्वारा नियंत्रित क्षेत्रों के भीतर व्यापार मार्ग उभरे, चंदेरी में रेशम उत्पाद, जो अब पूना (मराठा राजधानी) में पाए जाते हैं

चंदेरी में रेशम

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

जाट

- जाटों ने 17वीं और 18वीं शताब्दी के अंत में अपने नेताओं के अध्यक्ष के तहत अपनी शक्ति को मजबूत किया, दिल्ली के क्षेत्रों का अधिग्रहण किया और 1680 के दशक तक वे दिल्ली और आगरा पर हावी रहे।
- वे समृद्ध कृषक थे और पानीपत, बल्लभगढ़ जैसे शहर महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र बन गए।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- सूरज मल के तहत, भरतपुर राज्य एक मजबूत राज्य बन गया। 1739 में जब नादिर शाह ने दिल्ली पर हमला किया तो कई लोगों ने वहां शरण ली थी।
- उनके बेटे जवाहिर शाह के पास 30,000 सैनिक थे, मुगलों से लड़ने के लिए 20,000 मराठा, 15,000 सिखों की टुकड़िआ थी।

https://www.evidyarthi.in/

www.evidyarthi.in

- भरतपुर एक पारंपरिक शैली में बनाया गया था, एम्बर और आगरा में उद्यान स्थान देखा गया था, शाहजहाँ काल के स्थापत्य रूपों का इस्तेमाल किया गया था।

https://www.evidyarthi.in/

कक्षा VII पाठ 8 अठारहवीं शताब्दी में नए राजनितिक गठन (NCERT)

www.evidyarthi.in

सैनिकों ने औरंगजेब से युद्ध किया

https://www.evidyarthi.in/